आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर)की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 123 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 13 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

सड़कों के कायाकल्प में आड़े आया वित्तीय संकट

सालभर बाद भी प्रोजेक्ट अधूरा, मिले सिर्फ 1.80 करोड़

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कायाकल्प अभियान के तहत चरणबद्ध क्रम में सड़को की काया संवारने का काम शुरु किया गया। कायाकल्प के पहले चरण में ही सभी सड़को का काम पूरा नहीं हो पाया है। इधर दूसरे चरण में सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लेकिन, सरकार की वित्तीय स्थिति सड़को के कायाकल्प करने में आड़े आ रही है। नगरपालिका को बजट का इंतजार है तो सालभर से सड़को को अपने नव निर्माण का।

शहर की बदहाल सड़को को संवारने के लिए 15 करोड 80 लाख की लागत से बनने वाली 21 सड़को के प्रस्ताव भेजे गए है। जबकि, कायाकल्प 1 अभियान में सिर्फ चार सड़के बनी है। इसमें भी 6 सड़के शामिल थी और 4 करोड़ के इस प्रोजेक्ट पर सिर्फ 1 करोड़ 80 लाख रुपए आए और सालभर से अधिक समय बीतने के बाद भी इन 6 सड़को का प्रोजेक्ट अधूरा है। वर्तमान में संजीत नाका से संजय हिल्स क्षेत्र तक बनने वाली सड़क के लिए मटेरियल बिछाया गया है, लेकिन काम नहीं हो पाया है। तो कायाकल्प के दूसरे चरण का प्रोजेक्ट टेंडर मंजूर होने तक ही अटका हुआ है। बजट के अभाव में सड़को के बनाए गए सभी प्रोजेक्ट अधर में ही झूल रहे है।

मंजूरियां मिली, राशि नहीं...

अभियान में सड़क निर्माण को लेकर मंजुरियां तो मिल गई लेकिन राशि नहीं मिली। कायाकल्प 1 में 6 प्रमुख सड़के शामिल की गई थी। इसमें करीब 4 करोड़ की लागत से काम होना है। 4 सडको का काम पूरा हुआ तो एक का काम चल रहा है, वहीं एक का काम शुरु नहीं हुआ। जबकि, एक साल से अधिक समय हो चुका है। अब तक सिर्फ 1 करोड़ 80 लाख की राशि मिली। बाकी राशि का पता नहीं। वहीं कायाकल्प-2 अभियान में 9 सड़कों के प्रस्ताव भेजे। जिनका निर्माण 6 करोड़ 80 लाख में होना था। दूसरे चरण के इस अभियान में बनने वाली सड़को के टैंडर मंजूर होने के लिए भेजे और मंजूरी भी मिली, लेकिन राशि इनकी भी नहीं मिली। साथ ही मुख्यमंत्री अधोसंरचना के तहत शामिल 6 सडकें जिनका निर्माण 5 करोड़ में होना था। इसकी भी स्वीकृति तो मिल गई, लेकिन बजट अब तक नहीं मिला है।

यह है कायाकल्प अभियान...

* मुख्यमंत्री अधोसंरचना में 6 सड़क जो 5 करोड़ में बनना है। * कायाकल्प अभियान-1 में 6 सड़क शामिल है। इसमें चार बनी है, एक का काम चल रहा है और एक बाकी है। इसमें 1 करोड़ 80 लाख रूपए अब तक आए है। * कायाकल्प अभियान-2 में 9 सड़क शामिल की गई है, जो 6 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से बनना है।

मामला अशोक गंगानगर पर प्राणघातक हमले का...

दो करोड़ में दी थी सुपारी, पांच लाख दे चुके थे..?

मंदसौर/नीमच, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी और शराब कारोबारी अशोक अरोरा गंगानगर पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में बाबू सिंधी सहित अन्य आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां उन्हें एक बार फिर 7 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। इधर पांच दिन की रिमांड में पुलिस ने आरोपियो से सभी एंगल से पूछताछ की। जिसमें पता चला कि दो करोड़ रूपए की सुपारी शूटरों को दी गई थी। इसमें पांच लाख रुपए एडवांस भी दे दिए गए थे।

नीमच पुलिस कप्तान श्री अमित तौलानी ने बताया कि अशोक गंगानगर पर हमले के लिए चार नहीं छह शूटर आए थे। इन छह शूटरों में से प्रमुख बाबु फकीर मौके पर ही मारा गया था। जबकि, रतलाम निवासी अकरम ने कोटा में सरेंडर किया था। जिसे पूछताछ के लिए प्रोटेक्शन वारंट पर नीमच लाया गया है। श्री तोलानी ने बताया कि जांच पड़ताल और पूछताछ में पता चला है कि हमले के दौरान क्रेटा कार में चार शूटर थे। इसके अलावा दो शूटर बाइक पर भी थे जो रैकी कर रहे थे। इनकी पहचान भी हो चुकी है। धरपकड़ के लिए टीम लगी हुई है। उन्होंने बताया कि यह हमला जमीन को लेकर हुआ। हमले की साजिश रचने वाले अपना वर्चस्व यहां स्थापित करना चाह रहे थे। अपने आपको डॉन के रूप में यहां स्थापित करने की इनकी सोच थी। इसके बाद बाहर से शूटर हॉयर कर इस हमले को अंजाम दिया गया।

अकरम को कोटा से लाई पुलिस मेडिकल कराया...

बाबू सिंधी, राकेश अरोरा और निसार अहमद को मेडिकल के लिए नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। बाबू सिंधी के पैर में चोट है। जिसके चलते उसे व्हील चेयर से पुलिस गाड़ी में बैठाया गया। एक ही पुलिस गाड़ी में तीनों को लाया गया था। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। इसके बाद इन्हें कोर्ट ले जाया गया।

नाबालिग छात्रा के साथ ब्लैकमेलिंग और रेप

चार मकानों को ढहाया, पांचों आरोपी गिरफ्तार

सोमवार को भी सड़क पर उतरे लोग, पुलिस-प्रशासन ने शुरु की कठोर कार्यवाही

मंदसौर/दलौदा, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दलौदा में नाबालिग छात्रा के साथ वर्ग विशेष के युवकों द्वारा छेड़छाड़, दुष्कर्म के साथ मारपीट की गई। इसकेबाद मामला गरमा गया। रविवार देर शाम हिंदू संगठनों के लोग सड़क पर आ गए। इसके बाद दलौदा बंद का आव्हान भी किया गया। हालांकि रात में ही पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज कर चार आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया था। पांचवे फरार आरोपी को भी सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियो में से दो नाबालिग है। इधर दूसरे दिन सोमवार को प्रशासनिक अमला हरकत में आयो और सरकारी जेसीबी से तीन आरोपियों के चार मकानों को ध्वस्त कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने किशोरी को ब्लैकमेल कर एकांत में मिलने बुलाया था। उन्होंने किशोरी को पहले थप्पड मारे, फिर बेल्ट से पिटाई कर दी। लड़की को पीटते देख कुछ हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की तो दो भाग निकले, जबकि तीन को थाने ले जाया गया। हिन्दू संगठनो के कार्यकर्ताओ ने थाने के बाहर जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने देर रात मुख्य आरोपी समेत पांचों (यस 19 वर्ष, अरबाज 19 वर्ष और सोहेल 20 वर्ष और दो नाबालिग के खिलाफ मामला दर्ज कर हिरासत में ले लिया।

दो साल पहले भी नाबालिग ने की थी जबरदस्ती...

रविवार 11 फरवरी को शाम करीब 5 बजे मैं स्टेशन रोड पर कोचिंग जा रही थी। यश ने अपने एक दोस्त (नाबालिग) के साथ मेरा रास्ता रोक लिया। मुझे मेरे पुराने फोटो दिखाए, जो दूसरे लड़के (नाबालिग) के साथ थे। वे दोनों फोटो दिखाकर मुझे ब्लैकमेल करने लगे। उन्होंने कहा- तू द्वारिका विहार कॉलोनी नहीं आई तो ये फोटो वायरल कर देंगे। मैं घर की ओर भागने लगी, तभी यश और उसके साथी ने मुझे पक ड़ा और मुंह दबा दिया। उन्होंने ब्लैक कलर की कार में बिठाया और मुझे द्वारिका विहार कॉलोनी ले गए। यहां उन्होंने मुझे कार से बाहर खींचा, जहां अरबाज और वह लडक़ा (नाबालिग) खड़ा था, जिसके साथ मेरी फोटो थी। फोटो वाले लड़के ने मुझे पीटना शुरू कर दिया। उसने 15- 20 चांटे मारे, गर्दन दबाई और मारने के लिए बेल्ट निकाली। इसी दौरान सोहेल भी आ गया था। पीड़िता ने बताया कि फोटो वाले लड़के (नाबालिग) ने 2022 में जबरदस्ती की थी। घर की बदनामी होने के डर से मैंने किसी को कुछ नहीं बताया था। रविवार को भी उसने द्वारिका विहार कॉलोनी में बनी एक झोपड़ी में ले जाकर जबरन संबंध बनाए। यहां पर तीन भैया आ गए, मैं उनके नाम तो नहीं जानती, लेकिन चेहरे से पहचान लूंगी। वे मुझे थाने पर लेकर आए, जहां कुछ देर बाद मेरे माता-पिता भी आ गए। मैंने उन्हें सारी बात बता दी।

मल्हारगढ़ एसडीओपी ने बिगाड़ी व्यवस्था.....

दलौदा में सुबह से प्रशासन अपना काम सुनियोजित तरीके से कर रहा था। तहसीलदार नीलेश पटेल एवम मंदसौर ग्रामीण पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अर्थात एसडीओपी कीर्ति बघेल अपनी व्यवस्था और प्रशासन की कार्यवाही बहुत ही अच्छे तरीके से कर रहे थे। लेकिन, वहां उपस्थित मल्हारगढ अनुविभागीय अधिकारी ने हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बदतमीजी की और कार्यवाही को बिगडा। एक बार तो ऐसा प्रतीत हुआ की मल्हारगढ अनुभाग का अधिकारी अपराधियों का पक्ष लेता नजर आया। आखिर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने फिर पुलिस स्टेशन पर नारेबाजी शुरु की, जिसके बाद आरोपी का पूरा मकान जमींदोज किया गया।

सोमवार को तोड़े चार अवैध निर्माण...

तहसीलदार नीतेश पटेल ने कहा कि घटना के बाद ग्राम पंचायत से जानकारी निकाली गई थी। तीन आरोपियों के चार अवैध निर्माण को तोड़ा गया है। आरोपियों के संबंध में और जानकारी जुटाई जा रही है। एसडीओपी कीर्ति बघेल ने कहा कि पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वे फोटो के जरिए नाबालिग को ब्लैकमेल कर रहे थे। कल वह कहीं जा रही थी, तभी उन्होंने उसे सूनी जगह ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। एएसपी गौतम सोलंकी का कहना है कि लडकी ने पांच आरोपियों के नाम बताए हैं। इनमें से कुछ नाबालिग हैं। मामले में जांच की जा रही है। पूछताछ में अन्य भी कोई नाम सामने आएगा तो उसके खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक का पहिया चढ़ने से ड्राइवर की मौत

पहियो की जांच करते समय हेल्पर ने गलती से चला दिया था ट्रक

नीमच, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावद थाना क्षेत्र के नयागांव टोल बैरियर के पास हादसा हो गया। यहां एक ड्राइवर की अपने ही ट्रक के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी अनुसार ड्राइवर कैलाशचंद उम्र 45 वर्ष अपने ट्रक को खड़ा कर पहियो की जांच कर रहा था। इस दौरान ट्रक की केबिन में बैठ हैल्पर ने ट्रक स्टार्ट कर आगे बड़ा दिया। हैल्पर इस बात से अनजान था कि ट्रक ड्राइवर ट्रक के नीचे है। वहीं टायर के नीचे दबने से ड्राइवर कैलाशचंद रावत की मौत हो गई। तत्काल टोल बूथ की एम्बुलेंस से ड्राइवर के शव को नीमच के बड़े अस्पताल ले जाया गया, जहां सोमवार सुबह शव का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया हैं। मामले में पुलिस ने हेल्पर के विरूद्ध भादंसं की धारा 304 ए में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अब 30 साल के लिए बनेंगे मंडी लाइसेंस

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मंडी कारोबारियों के लिए सुकून वाली खबर है कि अब मंडी लाइसेंस की समयावधि 30 साल रहेगी। लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को आनलाइन कर दिया गया है। वाणिज्य सव्यवहार लाइसेंस फीस में राहत प्रदान करते हुए 25 हजार रुपये से कम कर 5 हजार रुपये कर दिए हैं।

मध्य प्रदेश राज्य कृषि मंडी बोर्ड ने अधिनियम में संशोधन कर कृषि मंडियों में व्यापार करने के लिए लाइसेंस फीस 5 हजार रुपये व आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित था। इसमें आवेदन शुल्क को 200 रु. कर दिया है। लाइसेंस फीस यथावत रखी गई है। लाइसेंस की समयावधि 30 साल कर दी है।

वाणिज्य संव्यवहार के लिए बनने वाले लाइसेंस के लिए अब तक 25 हजार रुपये फीस थी, जिसे कम कर 5000 रुपये कर दिया है। बता दें इस लाइसेंस पर कारोबारी मंडी नीलामी में उपज खरीदी नहीं कर सकता। लेकिन, व्यापारी से व्यापारी खरीदी कर सकेंगे।

प्रबंध संचालक श्रीमन शुक्ल के आदेशानुसार अब कृषि मंडियों में कारोबार करने के लिए लाइसेंस प्रक्रिया में काफी सरलीकरण दिया गया है। अभी तक कारोबारियों को हर पांच साल में लाइसेंस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। अब 30 साल बाद नवीनीकरण करवाना होगा। व्यापारी से व्यापारी कारोबार करने के लिए लाइसेंस लेने पर फीस में भी राहत प्रदान की है। बता दें उक्त मांगें मध्य प्रदेश मंडी व्यापारी महासंघ द्वारा लंबे अरसे से की जा रही थी। महासंघ अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल ने इस सुविधा को व्यापारियों के लिए लाभदायक बताया।

तेज हवाओं ने बदला मौसम का मिजाज

सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ी, अस्पतालों में लग रही भीड़

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। तेज हवाओं के कारण अंचल के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। कई इलाको में 14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में हल्के बादल भी छाए हुए हैं। मौसम में हुए बदलाव की वजह से तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कई इलाकों में ठंड का असर फिर बढ़ गया है। मौसम में बार-बार हो रहे उतार चढ़ाव के कारण सर्दी जुकाम के मरीजो की संख्या बढ़ने के साथ ही अस्पतालो में भीड़ बढ़ रही है। जानकारी के मुताबिक सोमवार को न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तो अधिकतम तापमान 24 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। सोमवार सुबह मौसम साफ रहा। लेकिन, ठंडी हवाओं के चलते दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ट्रफ लाईन की वजह से दक्षिण-पूर्वी हवा आ रही हैं इस वजह से पिछले कुछ दिनों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ तेज हवाएं चली हैं। हालांकि 13 फरवरी के बाद से एक बार फिर से प्रदेश का मौसम बदलने के आसार हैं। इसके बाद भी प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है।

चिकित्सकों के अनुसार मौसम बदलने की वजह से मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। सर्द मौसम के कारण सर्दी-जुकाम सहित वायरल के मामलों में एक बार फिर इजाफा देखने को मिल रहा है। अंचल में सरकारी तथा निजी अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

बंपर आवक

दो दिन के अवकाश के बाद सोमवार को खुली मंडी में पिछले गेट पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। इस दौरान मंडी में लहसुन, प्याज, रायड़ा की बंपर आवक रही।

विचार-मंथन

भारत के सच्चे रत्न थे चौ. चरण सिंह

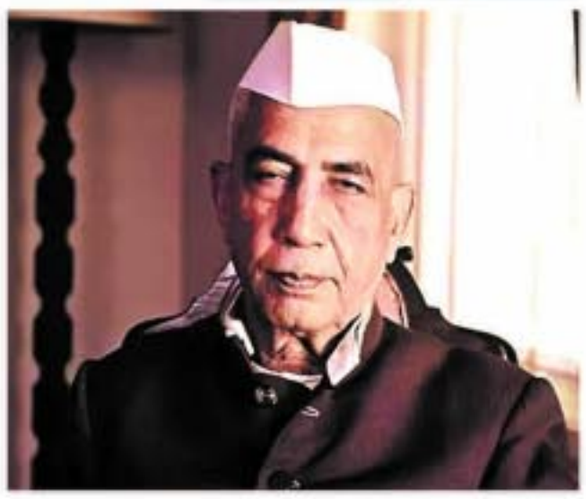

चौधरी चरण सिंह को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा 18वीं लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले और भाजपा-रालौद गठबंधन की चर्चाओं के बीच किए जाने से इसके राजनीतिक निहितार्थ निकाले ही जाएंगे, पर वह आजाद भारत के इस सबसे बड़े किसान नेता और गैर-कांग्रेसवाद के पुरोधा के साथ अन्याय होगा। वैसे सच यह है कि चरण सिंह के साथ न्याय जीवनकाल में भी नहीं किया गया। खासकर भारत का राष्ट्रीय मीडिया उन्हें ग्रामीण परिवेश वाला 'जिद्दी जाट नेता' कह कर कमतर आंकता रहा। बेशक अपने सिद्धांतों के प्रति वह अडिग थे, लेकिन उनकी सोच और व्यवहार बेहद उदार था। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में ही प्रभावी जाट संख्या के बल पर वह राजनीतिक जनाधार खड़ा हो ही नहीं सकता, जिसके बल पर चरण सिंह देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंच पाते। हां, उन्होंने खेती-किसानी से जुड़ी जातियों को साथ ला कर एक बड़ा राजनीतिक जनाधार अवश्य तैयार किया, जिसे कुछ लोगों ने अजगर (अहीर, जाट, गुर्जर, राजपूत) नाम दिया। बेशक उस सामाजिक-राजनीतिक गठबंधन में मुसलमान भी शामिल हुए और उत्तर भारत के कई राज्यों में वह विजयी समीकरण बन कर उभरा, पर उस सबके मूल में चरण सिंह की वैकल्पिक राजनीति की दूरगामी सोच काम कर रही थी। उस वैकल्पिक राजनीतिक सोच का पहला मुखर संकेत था कांग्रेस के 1959 के नागपुर अधिवेशन में प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के सहकारी खेती के प्रस्ताव का जोरदार विरोध। अकाट्य तर्कों के साथ किया गया वह विरोध दरअसल बड़ा राजनीतिक जोखिम भी था। वर्तमान राजनीति में वह कल्पना भी मुश्किल है कि कोई नेता देश-समाज के भविष्य की चिंता में अपना राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा दे। तब कांग्रेस में प्रधानमंत्री नेहरू की तूती बोलती थी। नेहरू से असहमति का अर्थ था, कांग्रेस में अपने राजनीतिक भविष्य पर पूर्ण विराम लगा लेना। नेहरू की जय-जयकार में ही अपना भविष्य देखने वाले कांग्रेसियों की करतल ध्वनि के बीच चरण सिंह ने कहा था- ये तालियां बताती हैं कि आप सब मेरे विचारों से सहमत हैं, परंतु आप में मेरी तरह खुले विचार रखने का साहस नहीं है। जाहिर है, अपने उस साहस की कीमत चरण सिंह को बाद में कांग्रेस से इस्तीफा देकर चुकानी पड़ी, पर वह उनकी राजनीतिक पारी का अंजाम नहीं, बल्कि ऐसा आगाज साबित हुआ, जिसने देश में बदलावकारी वैकल्पिक राजनीति की नींव रखी। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में चरण सिंह को लंबा कार्यकाल नहीं मिला, लेकिन उत्तर प्रदेश में उन्होंने जिन भूमि सुधारों की पहल की, उन्हीं से प्रेरित वाम मोर्चा पश्चिम बंगाल में साढ़े 3 दशक तक शासन करने में सफल रहा। शासन व्यवस्था का हाल जानने के लिए भेस बदल कर सरकारी दफ्तरों में जाने और शिकायत मिलने पर चुनाव सभा के मंच से ही उम्मीदवार बदलने की घोषणा जैसी बातें आज फिल्मी कथा-सी लग सकती हैं, पर यही चौधरी साहब की राजनीतिक शैली थी। कभी किसी अपने के भी गलत काम का बचाव नहीं किया तो किसी पराए के अच्छे काम की प्रशंसा करने में कभी कंजूसी नहीं की। ऐसे विराट व्यक्तित्व और कृतित्व वाले जन नेता की विरासत को उनके वारिस बढ़ाना तो दूर, संभाल तक नहीं पाए। चरण सिंह ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छोटे से गांव नूरपुर से संघर्षपूर्ण राजनीतिक सफर शुरू कर देश की सत्ता हासिल की थी, पर अब उनकी विशाल विरासत मेरठ के आसपास तक सिमटती नजर आ रही है। बेशक इसके बहुत से कारण रहे होंगे। अजित सिंह के निधन के बाद से जयंत चौधरी ही चरण सिंह की राजनीतिक विरासत संभाल रहे हैं। उन्हें ऐसी प्रासंगिक विचारधारा और प्रतिबद्ध जनाधार के क्षरण पर चिंतन-मनन अवश्य करना चाहिए। ऐसा करना उनकी अपने दादा के प्रति ही नहीं, देश और समाज के प्रति भी जिम्मेदारी है।

भाजपा का श्वेत पत्र बनाम कांग्रेस का ब्लैकपेपर

उमेश चतुर्वेदी

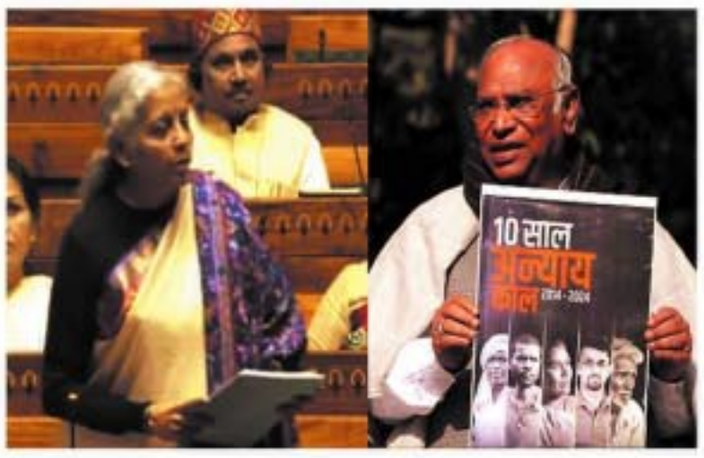

ऐन चुनावों के ठीक पहले के संसद सत्र में पेश सरकारी श्वेत पत्र ने एक तरह से सोनिया गांधी की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की मनमोहन सिंह सरकार की खामियों और आर्थिक कुप्रबंधन को ही उजागर किया है। चुनावों के ठीक पहले इसके उजागर होने के चलते एक तरह से कांग्रेस पर ही सवाल उठे हैं। कांग्रेस को लगता है कि इससे उसे लेकर वोटरों की धारणा में नकारात्मक बदलाव हो सकता है। इस वजह से उसका बिलबिलाना स्वाभाविक है। बदले में उसका काला पत्र लाना इसी बिलबिलाहट का नतीजा है जिसमें उसने मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल में बढ़ी बेरोजगारी और मुद्रास्फीति को मुद्दा बनाने की कोशिश की है। श्वेत पत्र पहली बार 1922 में ब्रिटिश सरकार लेकर आई थी। हालांकि वह भी भारत से जुड़े मसले पर ही केंद्रित था। तब ब्रिटिश सरकार ने 1919 में भारत आए साइमन कमीशन की सिफारिशों के आधार पर भारत में पहला संवैधानिक सुधार लाने की तैयारी की थी। पहला श्वेत पत्र इसी पर केंद्रित था। जिसे ब्रिटिश संसद की संयुक्त चयन समिति के सामने विचार के लिए पेश किया गया था। इसी श्वेत पत्र में भारत में संघीय सरकार प्रणाली की स्थापना का प्रावधान शामिल था। श्वेत पत्र की राजनीति पर चर्चा से पहले हमें जानना चाहिए कि इसके जरिए संयुक्त प्रगतिशील सरकार के दौरान हुई किन गड़बड़ियों को उजागर किया गया है। 59 पृष्ठों के इस श्वेत पत्र में कहा गया है कि तब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांच बदतर अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। अंग्रेजी की एक शब्दावली फ्रेजाइल फाइव भारत के आर्थिक कुप्रबंधन का प्रतीक बन गई थी। उसी दौरान देश में बारह दिनों का राष्ट्रमंडल खेल आयोजित हुआ, जिसमें घोटालों की भरमार रही। श्वेत पत्र में कहा गया है कि जब साल 2014 में मोदी की सरकार आई, तब भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक स्थिति में थी। उस वक्त अत्यधिक कुप्रबंधन और वित्तीय अनुशासनहीनता व्याप्त थी। चौतरफा भ्रष्टाचार का बोलबाला था। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद संकट में थी। सवाल उठता है कि जब हमारी अर्थव्यवस्था ऐसी थी, तब श्वेत पत्र क्यों नहीं लाया गया? इसके जवाब में सरकार का कहना है कि अगर ऐसा किया जाता तो भारत को लेकर दुनिया में नकारात्मक धारणा बनती, जिससे निवेशकों सहित सबका विश्वास डगमगा जाता। श्वेत पत्र में एनडीए और यूपीए सरकार की तुलना भी की गई है। इसमें कहा गया है कि यूपीए सरकार के दौरान बैंकिंग व्यवस्था सबसे ज्यादा कुप्रबंधन की मार झेल रही थी। इसी में कहा गया है कि वाजपेयी सरकार के कार्यभार संभालते वक्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एनपीए करीब 16.0 प्रतिशत था। वाजपेयी सरकार ने बैंकिंग व्यवस्था को दुरुस्त किया और छह साल बाद जब उसे जाना पड़ा, तब यह एनपीए घटकर महज 7.8 प्रतिशत रह गया था। लेकिन यूपीए सरकार के कार्यभार संभालने के बाद फिर कुप्रबंधन बढ़ा और सितंबर 2013 आते-आते सरकारी क्षेत्रों के बैंकों का एनपीए अनुपात 12.3 प्रतिशत तक बढ़ गया। इसकी वजह यह रही कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों को ऋण देने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ गया। उन चहेती कंपनियों को कर्ज दिए गए, जिनसे कर्ज वापसी की गारंटी नहीं थी। श्वेत पत्र के मुताबिक, इसी वजह से जब साल 2014 में मोदी सरकार ने कामकाज संभाला, बैंकिंग सेक्टर संकट से जूझ रहा था। श्वेत पत्र के मुताबिक, जहां 2004 में सरकारी क्षेत्र के बैंकों का कुल बकाया सिर्फ 6.6 लाख करोड़ रुपये था, जो राजनीतिक हस्तक्षेप की वजह से मार्च 2012 में बढ़कर 39.0 लाख करोड़ रुपये हो गया। श्वेत पत्र में मार्च 2014 में प्रकाशित क्रेडिट सुइस रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया है। जिसके अनुसार एक से कम ब्याज कवरेज अनुपात वाली टॉप-200 कंपनियों पर बैंकों का लगभग 8.6 लाख करोड़ रुपये तब तक बकाया था। तब 2जी घोटाला हुआ, जिसमें स्पेक्ट्रम की बंदरबांट हुई थी। यूपीए के ही दौरान कोयला घोटाला हुआ, जिसकी वजह से देश को हजारों करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ। सोने के आयात के लिए कुछ ही लोगों को अनुमति दी गई। श्वेत पत्र में कहा गया है कि आर्थिक प्रबंधन के मोर्चे पर बेहतरी का ही नतीजा है कि अब भारत फ्रेजाइल फाइव से दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। अब हमारा योगदान वैश्विक विकास में तीसरे सबसे बड़े भागीदार के रूप में है। अब स्थिति यह है कि देश में सबसे कम दरों वाली नेटवर्क कवरेज है, जो 2जी की बजाय 4जी और 5जी तक की यात्रा कर चुकी है। आज निवेश बढ़ा है। भारत के सामने अब विदेशी मुद्रा संकट नहीं रहा, बल्कि अब भारत के पास 620 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अब महंगाई दर एक अंक में है। मुद्रास्फीति घटकर पांच प्रतिशत के आसपास है। आर्थिक नीतियों का ही कमाल है कि भारत में स्टार्टअप तेजी से बढ़े हैं और देश में निवेश एवं रोजगार के मौके बढ़े हैं। चुनावी साल में विपक्ष की ओर से इस श्वेत पत्र का जवाब न आता तो ही हैरानी होती। कांग्रेस ने जवाबी ब्लैक यानी काला पत्र जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि 2012 के एक करोड़ बेरोजगारों की तुलना में 2022 में 4 करोड़ लोग बेरोजगार थे। इसमें कहा गया है कि सरकारी विभागों में 10 लाख स्वीकृत पद खाली पड़े हैं। ब्लैक पत्र में आरोप लगाया गया है कि करीब एक तिहाई ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट बेरोजगार हैं। इसमें कहा गया है कि दो बेरोजगार प्रति घंटे आत्महत्या कर रहे हैं। ब्लैक पेपर के मुताबिक, मई 2014 की तुलना में 2024 में कच्चे तेल के दामों में 20 फीसद गिरावट हुई, इसके बावजूद एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी नहीं हुई।

आधुनिकता के नाम पर शहरों से गुम होती प्रकृति

राकेश सोहम

सुबह में कहां कोई संगीत होता है? वह तो अलसाए अंधेरे में लिपटी, चुपचाप होती है। सुबह देर तक सोने वाली अधुनातन पीढ़ी यही मानती है। बिस्तर पर पड़े रहने के आदी बहुत सारे लोगों का मानना है कि सुबह भ्रमण के लिए वही लोग निकलते हैं जो किसी बीमारी से ग्रस्त हैं। अनिद्रा के शिकार लोग भी सुबह का संकेत मिलते ही बिस्तर छोड़कर भाग निकलते हैं। पालतू कुत्ते को सुबह घुमाने की मजबूरी लोगों को देर तक सोने नहीं देती। सेवानिवृत्त फुरसतिया लोग सुबह की खाली सड़कों पर और पार्क में वक्त काटने निकलते हैं। दरअसल, ऐसी सोच सुबह देर तक सोने वालों को आत्म तुष्टि देती है। आधुनिक पीढ़ी प्रतिस्पर्धात्मक जीवन जी रही है। ऐसे लोग पिछले दिन की असफलता के साथ सुबह देर तक अवसाद में पड़े रहते हैं। उन्हें सुबह मनहूस दिखाई देती है। मजबूरी में सुबह जल्दी उठ जाएं तो दिन इतना लंबा लगने लगता है कि काटना मुश्किल हो जाता है। वे जम्हाई लेते बुझे-बुझे से कहते फिरते हैं कि आज का दिन ही बर्बाद हो गया। अक्सर देर रात सोने के मानवीय स्वभाव, अनैतिक चिंतन और बेमतलबी उलझन का इल्जाम बेचारी सुबह झेलती है। लोगों का वश चले तो सुबह को होने ही न दें। दिन की शुरुआत दोपहर से होने लगे। कुछ आलसी लोग 'जब जागे तभी सवेरा' का मतलब इन्हीं अर्थों में लेते हैं। ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो सुबह उठते हैं और बीते दिवस की सारी चिंताओं का बोझ लेकर भ्रमण के लिए निकलते हैं। ये लोग प्रकृति के संगीत को नहीं सुन पाते! अनेक ऐसे शहर में हैं, जहां रिहाइशी क्षेत्रों के आसपास हरियाली का अभाव है। खुले मैदानों की कमी है। विकसित उद्यान या पार्क नहीं है। सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में लोग प्रातः भ्रमण के लिए कहां जाएं? एक सतासी वर्षीय सेवानिवृत्त प्रोफेसर ऐसी ही एक बस्ती में पत्नी के साथ अकेले रहते हैं। इस उम्र में भी वे पूरी तरह स्वास्थ्य, चैतन्य और स्फूर्ति से भरे हुए हैं। आज भी दोपहिया वाहन और कार पूरी मुस्तैदी से चलाते हैं। उन्हें याद नहीं पड़ता कि कब वे सुबह भ्रमण के लिए नहीं गए। शहर में अपने घर पर हैं तो प्रातः भ्रमण की चूक नहीं होती। ठंड, गर्मी, बरसात- कोई भी मौसम उनके घूमने में आड़े नहीं आता। ठंड में आवश्यक गर्म कपड़े पहनकर और बरसात में छाता लेकर निकलते हैं। इस तरह के लोग किसी को अपने आसपास भी मिल सकते हैं, जो नित्य सुबह चार बजे बिस्तर छोड़ देते हैं। पड़ोस के वे बुजुर्ग सुबह एक गिलास गुनगुना पानी पीते हैं। ताजा होने के बाद एक प्याला नींबू चाय पीते हैं और प्रातः भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। उनके घर के आसपास न पार्क है, न हरियाली और न कोई मैदान। शहर के खाली रास्ते के किनारे-किनारे दूर तक पैदल निकल जाते हैं। वे इस दौरान मोबाइल के उपयोग से बचते हैं। न कोई संगीत, प्रवचन या भजन सुनते हैं और न ही किसी से बातचीत करते हैं। एक साक्षी भाव मन में रखते हैं। आसपास जो है, उसे ऊपर बैठी परम सत्ता की अनुपम कृति मानने का अपना सुख है और आत्मसात कर लेना शांति की राह। जो है, जैसा है, अपना है। इस जीवन का हिस्सा है। चीजें, वस्तुएं, प्राकृतिक हों या फिर भौतिक, उसमें तिरोहित हो जाना जीवन को संपूर्णता में जीने का जरिया है। गौर से सुना जाए तो सुबह की नीरवता में भोर का संगीत सुनाई देने लगता है। शुद्ध हवा के झोंके महसूस हो सकते हैं। पक्षियों की आवाज अंदर उतरने लगती है। अपनी ही पदचाप हमें चेतावनी देती है। सूर्य की नरम किरणें रात के खुमार को धकेल देती हैं। ऐसे में जब लौटा जाए, तो मन आनंद की ऊर्जा से भरपूर रहता है। एक चाय का प्याला हाथ में लेकर अखबार या कोई पसंदीदा किताब पढ़ने का अपना सुख है। मोबाइल पर संदेशों का आदान-प्रदान सरोकारी होने का सूचक है। मन आया तो लिखने बैठ गए। किसी भी व्यक्ति की ऐसी दिनचर्या प्रेरणादायक होती है। लंबा और स्वस्थ जीवन जीने की मिसाल है। हिंदी फिल्म 'बूंद जो बन गई मोती' में एक खूबसूरत गीत है, जो सुबह की खामोशी में प्रकृति के संगीत को महसूस कराता है- 'हरी भरी वसुंधरा पर नीला नीला ये गगन, कि जिसपे बादलों की पालकी उड़ा रहा पवन। दिशाएं देखो रंग भरी, दिशाएं देखो रंग भरी चमक रहीं उमंग भरी। ये किसने फूल फूल से किया श्रृंगार है, ये कौन चित्रकार है।' यह उस दौर का गीत है, जब भरपूर प्राकृतिक नजारे हमारे आसपास थे।

आतंक की फैक्ट्री पाकिस्तान ने अपने दिखावटी लोकतंत्र को भी धमाका करके उड़ा दिया है

पाकिस्तानी मीडिया की तमाम रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि जनादेश को पलटने और जबरन नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद पर बैठाने का जो खेल चल रहा है उससे अवाम बिल्कुल खुश नहीं है। लोग कह रहे हैं कि जब सेना को ही प्रधानमंत्री का सलेक्शन करना था तो यह इलेक्शन क्यों करवाये गये? अजब देश पाकिस्तान में इस समय गजब हो रहा है। पहले चुनाव टाले जाते रहे और अब चुनाव परिणाम टाले जा रहे हैं। चुनाव परिणामों को अचानक से पलट दिया जा रहा है। अंतिम चुनाव परिणामों की घोषणा में हो रही देरी के लिए कभी संचार सेवाओं में खराबी का बहाना बनाया जा रहा है तो कभी किसी और तकनीकी कारण का हवाला दिया जा रहा है। खास बात यह है कि सारी कारगुजारियों पर पर्दा डालने के लिए कभी पाकिस्तान के राष्ट्रपति से बयान दिलवा कर लोगों को भरमाने का प्रयास किया जा रहा है तो कभी खुद सेनाध्यक्ष बयान जारी कर देश में चल रही चुनावी धांधली से लोगों का ध्यान बंटाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन पब्लिक सब जानती है इसलिए वह सेना और नेताओं के बयानों से आश्वस्त होकर घर बैठने की बजाय सड़कों पर उतर कर हंगामा कर रही है। पाकिस्तानी मीडिया की तमाम रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि जनादेश को पलटने और जबरन नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद पर बैठाने का जो खेल चल रहा है उससे अवाम बिल्कुल खुश नहीं है। लोग कह रहे हैं कि जब सेना को ही प्रधानमंत्री का सलेक्शन करना था तो यह इलेक्शन क्यों करवाये गये? लोग सवाल कर रहे हैं कि जब जनादेश का कोई मतलब ही नहीं है तो पहले ही आर्थिक दुश्वारियां झेल रहे देश पर चुनावी खर्च के रूप में और आर्थिक बोझ क्यों बढ़ाया गया? पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टें तो यहां तक कह रही हैं कि सेना में भी कुछ लोग अब इमरान खान को ही दोबारा कमान सौंपने के पक्ष में है। इस तरह की भी रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि विदेशों में भी जहां-जहां पाकिस्तानी रहते हैं वह वहां पर इमरान खान के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। पाकिस्तान में भी कोने-कोने में बच्चों से लेकर बूढ़े तक इमरान खान के पक्ष में नारेबाजी करते देखे जा सकते हैं। पाकिस्तान में इस वक्त जो सूरत ए हालात हैं वह दर्शा रहे हैं कि यदि सेना ने पब्लिक की ओर अनदेखी की तो देश को गृह युद्ध की ओर बढ़ने से रोकना मुश्किल हो जायेगा। पाकिस्तानी सेना को समझना होगा कि इस बार जनता ने किसी पार्टी के समर्थन में या किसी के विरोध में मत देने की बजाय सेना के विरोध में वोट डाला है इसलिए टीवी स्क्रीनों पर मतगणना के रुझानों और परिणामों को देख कर लोग नाराज हो रहे हैं और चुनाव अधिकारियों के खिलाफ भी जनता सड़कों पर नजर आ रही है। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं कि हमने सुना था कि 1970 में जनादेश का चीरहरण हुआ था लेकिन अब देख भी लिया कि कैसे जनादेश को पलटा जाता है। जनता कह रही है कि सरकार चुनने का अधिकार उसका है और उसकी पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए, उसके फैसले को पलटा नहीं जाना चाहिए। इस बीच, पाकिस्तान में चुनाव के नाम पर हुई धोखेबाजी अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में भी आ चुकी है। वहां के हालात को देखते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ समेत तमाम देशों ने मांग की है कि चुनाव में अनियमितताओं और धोखाधड़ी के मामलों की जांच की जाये।

विधानसभा में योगी आदित्यनाथ ने कहा- पिछली सरकार के पास विजन नहीं था

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5144

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5143

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5144

संकेत: बाएं से दाएं

1. केवल महिलाओं हेतु विश्व का सबसे बड़ा विश्व विद्यालय इस देश में स्थापित है (6)
7. यह मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कृति है जिस पर फिल्म (1966) निर्माण हुआ है (3)
8. सारी दुनिया का उलट-पलट (4)
9. भरोसा, विश्वास, यकीन (4)
11. किसी वस्तु, जगह आदि के अंदर (अंग्रेजी)(2)
12. कौन नायक-नायिका यह ऋषि कपूर-डिंपल कपाड़िया की पहली फिल्म थी (2)
13. यह ब्रिटेन देश का राष्ट्रीय पुष्प है, इसे अंग्रेजी में रोज कहते है (3)
14. चैत्र माह की फसल (2)
15. बलिदान, जिसने युद्ध में प्राण त्याग दिए हों (3)
16. जितना समय लगना चाहिए उससे अधिक समय, विलंब (2)
19. पैगंबर, ईशदूत, रसूल (2)
20. तुषार पात, अंतरिक्ष जल (2)
21. फिलीपींस के सबसे बड़े द्वीप लूजॉन की यह राजधानी है (3)
22. वर्षा, जलदाता, नीरद (3)

ऊपर से नीचे

1. बरसाती प्रवाहहीन जल (3)
2. उकताहट, बैचेन, मनोरंजनहीन (2)
3. यशस्वी मुगल सम्राट अकबर द्वारा चलाया धर्म (6)
4. क्षेत्रफल, अहाता (3)
5. मंगल वायु, अलमस्त हवा, बहती हवा (3)
6. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
10. यह गोविंदा अभिनीत पहली फिल्म थी (5)
12. धर्मेंद्र के अभिनेता पुत्र (5)
13. कपटी, जिसके मन में कुछ और मुंह पर कुछ हो (उर्दू)(2)
17. कच्चा आहार पदार्थ, खाद्यान्न, पूर्ति (3)
18. एक शब्द जिसके द्वारा वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त किसी तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है (4)

वर्ग पहेली 5143 का हल

र	वी	न्द्र	ना	थ	टै	गो	र
बा	र	■	पा	ल	क	■	म
ना	ग	लो	क	■	ल	प	क
■	छि	न	■	सै	■	ह	■
मे	■	■	ह	म	क	ली	न
घ	ब	रा	ना	■	कम	सि	न
दू	ना	■	त	ल	■	थि	■
त	थ	■	न	ग	ल	■	■

जिला चिकित्सालय सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों पर रिक्त पदों के कारण स्वास्थ्य सेवाएं लचर हालत में-विधायक

सोनोग्राफी मशीन संचालन के लिये नियमित रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति सहित स्वीकृत डॉक्टरो एवं अन्य जरूरी पदों पर प्रश्न के माध्यम से विधायक जैन ने की नियुक्तियों मांग

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को जनप्रिय क्षेत्रीय विधायक श्री विपिन जैन द्वारा आमजन के हितो के सरोकार रखने वाली स्वास्थ्य सेवाओ से जुडे अहम मसले को विधानसभा सत्र के दौरान जिला चिकित्सालय और क्षेत्र के अन्य सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में रिक्त पदों की जानकारी के साथ ही मौजुदा स्वास्थ्य सेवाओ को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तारांकित प्रश्न क्रमांक 1035 के माध्यम से जानकारी मांगी।

श्री जैन द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकडो का हवाला देते हुये कहा कि जिला चिकित्सालय एवं अन्य सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर स्वीकृत पदों में से आधे से अधिक पद रिक्त पडे है। इन खाली पडे पदो के कारण स्वास्थ सेवाये चरमरा गयी है। उन्होनें आंकडा का हवाला देते हुये कहा कि चिकित्सक, टीकाकरण अधिकारी, प्रशिक्षण ट्यूटर, वार्डन, रेडियोग्राफर, नर्सिग सिस्टर, ओटी अटेंडर जैसे महत्वपूर्ण पद रिक्त है। प्रथम श्रेणी के 39 मे से 20 पद और द्वितीय श्रेणी के 23 मे से लगभग एक दर्जन पद रिक्त है। हैरानी का विषय तो यह है कि वर्ष 2007,2011,2014 से ये सभी पद रिक्त है उसके बावजुद इन्हें भरने का कार्य स्वास्थ्य विभाग में नही हुआ है।

सोनोग्राफी मशीन रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में बंद–विधायक श्री विपिन जैन ने मंदसौर जिला चिकित्सालय में काफी समय से बंद सोनोग्राफी मशीन के बंद होने के कारण आमजन को आ रही समस्याय को प्रश्न केमाध्यम से रखते हुये कहा कि जिला अस्पताल सोनोग्राफी मशीन के संचालन के लिए रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने से मरीजों को असुविधा हो रही है शासन शीघ्र ही मशीन संचालन हेतु रेडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था करें ताकि इसका लाभ जनता को प्राप्त हो सके सोनोग्राफी मशीन के संचालन नहीं होने से निजी सेंटरों पर मरीज को जाना पड रहा है। निजी सेंटरो पर पर अधिक राशि लिये जाने के कारण आमजन आर्थिक भार वहन कर रहा है। उन्होने इस संबंध में शीघ्र रेडियोलॉजिस्ट हेतु नियमित भर्ती करने के साथ ही स्वीकृत अन्य जरूरी पदो को भरने की कार्यवाही जल्द की जाये।

ठेका पद्धति के कारण कर्मचारियो का शोषण–विधायक श्री विपिन जैन द्वारा उन्हें लगातार जिला चिकित्सालय सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रो से आउट सोर्स कर्मचारियो द्वारा मानदेय विसंगति एवं अन्य शिकायतो का हवाला देते हुये कहा कि वर्तमान में अनेक महत्वपूर्ण पदों की नियमित नियुक्तियां नही करते हुये उन पर्दो पर ठेका पद्धति से कार्य करवाया जा रहा है। ठेका पद्धति से कार्य करवा रही कामधेनु कंपनी पर कर्मचारियों की नियुक्ति, मानदेय एवं उसमें हो रहे कटौत्रे पर भी संदेह विधायक श्री जैन द्वारा व्यक्त करते हुये आउट सोर्स के कर्मचारियों की योग्यताओं के बारे में पूछने पर अधूरी जानकारी देने पर असंतोष व्यक्त करते हुए सुधार की मांग की गयी।

वीपीएल टूर्नामेंट अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ स्थानीय खिलाड़ियों के खेलने का अच्छा प्लेटफार्म-गनेड़ीवाल

वीपीएल-2 का खिताब मंदसौर स्ट्राईकर्स ने जीता

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गनेडीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब मंदसौर स्ट्राईकर्स ने जीता। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति एवं गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमेन श्री प्रदीप गनेडीवाल ने अपार जनसमूह के बीच विजेता टीम के कप्तान दीपक पुनिया को विजेता ट्राफी प्रदान की वहीं विजेता टीम के ऑनर रजत डोसी को थार जीप दी गई। टूर्नामेंट की उपविजेता मन्दसौर मेवरिक्स के ऑनर विशाल गोयल को होण्डा बाईक प्रदान की तथामंदसौर इंडियन टीम के कप्तान मयंक रावत को पूरे टूर्नामेंट में दो शतक सहित ऑलराउंडर प्रदर्शन करने पर होण्डा एक्टिवा प्रदान कर मैन ऑफ द सीरिज से नवाजा गया।

श्री गनेडिवाल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि वीपीएल टूर्नामेंट अंतर्राष्ट्रीय खिलाडियों के साथ स्थानीय खिलाडियों के खेलने का अच्छा प्लेटफार्म है। खिलाडी क्रिकेट को तन्मयता से खेले और आगे बढे। आपने इस टूर्नामेंट में उपस्थित बडी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति को देखते हुए कहा कि खिलाडियों के उत्साहवर्धन हेतु स्थानीय लोगों ने उपस्थित होकर सराहनीय कार्य किया है। फायनल महामुकाबला मंदसौर स्ट्राईकर्स एवं मंदसौर मेवरिक्स के बीच मैच हुआ। जिसमें मंदसौर मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण को चुना। पहले खेलते हुए मंदसौर स्ट्राईकर्स ने 15 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 182 रन का बडा स्कोर खडा किया। जिसमें कप्तान दीपक पुनिया ने 44 गेंद पर 74 रन 4 चौके 5 छक्के बनाये। रूद्राक्ष सिंह ने 45 गेंद में शतकीय पारी खेलते हुए 100 रन बनाये। जिसमें उन्होनें 9 चौके व 7 गगनभेदी छक्के जडे। लक्ष्य का पीछा करते हुए मंदसौर मेवरिक्स ने निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट पर 152 रन ही बना पाई। जिसमें शुभम गढवाल ने 38 गेंद में 53 रन, 8 चौके व 2 छक्के। कुंवर पाठक 7 गेंद पर 26 रन 2 चौके 3 छक्के, रमनसिंह ने 9 गेंद पर 21 रन की पारी खेली। इस कशमकश मैच में खिलाडियो की धड़कने अपने-अपने टीम के लिये धड़कती रही। मंदसौर स्ट्राईकर्स के बॉलर आशीष ने 2 विकेट, अंकित चौधरी व मनीष सेरावत ने 3-3 विकेट चटकाये। 30 रन से मंदसौर स्ट्राईकर्स ने फाइनल मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच शतक लगाने वाले रूद्राक्षसिंह रहे।

सड़क सुरक्षा विशेष अभियान जीवन बचाने का अभियान है-जैन

नीमच जिले में सभी ट्रेक्टर ट्रालियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाने का अभियान प्रारंभ

नीमच, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सडक सुरक्षा विशेष अभियान के तहत जिले में सभी ट्रेक्टर ट्रालियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाने का अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान लोगों की जीवन सुरक्षा से जुडा हुआ है। जीवन बचाने का अभियान है। सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट अवश्य लगाये और दुर्घटना से बचाव के लिए यातायात नियमों का पालन अवश्या करें। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को ग्राम पंचायत मुख्यायलय धनेरियाकलां एवं ग्राम पंचायत मुख्यालय कनावटी मंन सडक सुरक्षा विशेष अभियान के तहत आयोजित ट्रेक्टर ट्रालियों पर रेडियम रिफ्लेक्टेर लगाने के अभियान के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कही।

इस मौके पर एसपी श्री अमित कुमार तोलानी, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, आरटीओ श्री नन्दालाल गामड एवं आरआई श्री विक्रमसिह, यातायात प्रभारी सुश्री सोनू बडगुर्जर व अन्या अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि मानव जीवन अनमोल है। किसी भी दुर्घटना में मृत्यु से न केवल परिवार, बल्कि समाज व देश का भी बडा नुकसान होता है। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौत की संख्या बढती जा रही है। ऐसे में सडक सुरक्षा यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है। ट्रेक्टतर ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाने का यह अभियान जीवन बचाने का अभियान है, इसमें सभी सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने अपने उदबोधन में कहा कि यातायात

नियमों और सडक सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता होनी चाहिए। सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट लगाकर वाहन चलाए, अपना ड्रायविंग लायसेंस अवश्य बनवाये। एसपी श्री तोलानी ने कहा, कि सभी ट्रेक्टर ट्रालियों में रेडियम रिफ्लेक्टर अवश्य होना चाहिए। जिले के सभी ट्रेक्टर मालिक अपने ट्रेक्टर ट्राली पर रिफ्लेक्टेर अवश्य लगवाये। रिफ्लेक्टर दुर्घटना से बचाव का माध्यम बनेगा। रिफ्लेक्टर अभियान के तहत जिले में सभी 243 पंचायतों में एक दिन में 10 से 12 हजार ट्रेक्टर ट्रालियों पर आज रिफ्लेक्टर लगाये जा रहे है। सरपंच सोनू सैन ने स्वांगत भाषण देते हुए कहा कि कनवाटी में 50 ट्रेक्टर है, उनमें से 35 ट्रेक्टर ट्रालीयों पर दोपहर तक रिफ्लेक्टर लगाये जा चुके है। प्रारंभ में कलेक्टर, एसपी ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तदपश्चात सरपंच श्री सोनू सैन, सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश पाटीदार, धनेरिया कलां के सरपंच श्री राठौड, जनपद सदस्यर प्रतिनिधि श्री हरीश अहीर ने अतिथियों का पुष्पाहारों एवं साफा बांधकर स्वा गत किया। तदपश्चत कलेक्टर श्री जैन एसपी श्री तोलानी, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, आरटीओ श्री गामड ने ट्रेक्टिर चालकों का पुष्पहारों के स्वागत कर ट्रेक्टर ट्रालियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाये।

सेन समाज की बैठक आज

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आगामी कार्यक्रमो, उत्सवो पर आयोजित होने वाली गतिविधियों को संगठित रूप से मनाने के सन्दर्भ मे मंदसौर नगर में निवासरत् स्वजातीय बंधुओं की एक महत्वपूर्ण बैठक 13 फरवरी 2024 मंगलवार को सायं 4 बजे नगर पालिका सभागृह में रखी गई है। जिसमे नगर में निवासरत् समस्त समाज के बंधुओं से पधारने का आग्रह है। उक्त संदर्भ मे जानकारी देते हुए सेन समाज जिलाध्यक्ष जितेन्द्र गेहलोद युवा अध्यक्ष संजय चौहान बौलिया, जिला सचिव अशोक मकवाना दलौदा एवं जिला कोषाध्यक्ष राम चौहान शामगढ ने बताया कि जिला पदाधिकारीयों द्वारा इसी प्रकार की बैठके मंदसौर जिले की सभी तहसीलों मे आयोजित कर सामाजिक गतिविधियों को गति प्रदान की जायेगी।

ऋतु बसंत हूँ मैं क्या आ जाऊं

सूरज आया
उत्तर की ओर
तिल तिल
ताप बढाया।
हिमपात हुआ
पहाडों पर
शीत हवा ने
पारा गिराया।
किंकर्तव्य मूढ में
अब किधर जाऊं
ऋतु बसंत हूँ मैं
क्या आ जाऊं।

नंदकिशोर राठौर मंदसौर

किराये पर संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिये भवन बनाये जाये-विधायक जैन

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जनप्रिय विधायक श्री विपिन जैन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित आंगनबाडी केन्द्रो की जानकारी मांगी। महिला कल्याण एवं मातृत्व सुरक्षा सहित महिलाओ एवं बच्चो से संबंधित महत्वपूर्ण विभाग के माध्यम से संचालित आंगवाडी केन्द्रो के संबंध में जानकारी मांगने पर विभागीय मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संचालित कुल 399 आंगनबाडी केन्द्रो मे से 155 आंगनबाडी केंद्र किराये के भवन में संचालित हो रहे हैं। इस पर विधायक श्री जैन द्वारा मांग की गई है कि विभाग शीघ्र ही आंगनबाडी भवनों की स्वीकृति देकर आंगनबाडी केंद्र शासकीय भवनों में संचालित करें। किराये के भवनों में संचालित आंगनबाडी केन्द्रो में काफी परेशानियों आती है। आए दिन संचालित आंगनबाडी केंद्र भवनो को बदलने से परेशानियों का सामना भी करना पडता है। उन्होनें लगभग 150 संचालित आंगनवाडी केन्द्र किराए के भवन में संचालित होना पर चिंता व्यक्त करते हुये लाखों रुपए के बजट स्वीकृत होने के बावजूद भी आंगनबाडी केंद्र भवनों का निर्माण होने पर सवाल खडा किया।

श्री जैन द्वारा मांग की गई है कि शीघ्र ही किराये के भवन में संचालित हो रही आंगनबाडी केन्द्रो को संचालन हेतु स्वयं का भवन उपलब्ध कराया जाए वहीं राज्य योजना मद अतर्गत वर्ष 2018 ओर 2021 में पीपलखेडी, कचनारा व मंदसौर में वार्ड क्र. 5 मे स्वीकृत करीब 30 लाख से अधिक के आंगनबाडी भवनों का निर्माण कार्य अधूरा है उसे भी शीघ्र पूर्ण करवाने का आग्रह महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया से किया।

दशनाम गोस्वामी समाज का परिचय व सामूहिक विवाह सम्मेलन 12 मई को

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दशनाम गोस्वामी समाज के विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक भगवान दत्तात्रेय मंदिर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महंत किशोरगिरी गोस्वामी अचलपुरा ने की।

बैठक में बताया कि दशनाम गोस्वामी समाज का परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह सम्मेलन आद्य गुरु श्री शंकराचार्यजी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 12 मई को सीतामऊतहसील के ग्राम भूखी बुजुर्ग में आयोजित किया जाएगा जिसमें विवाह हेतु अभी तक 5 जोडों का पंजीयन हो चुका है तथा आगे भी पंजीयन जारी है। समाज के अधिक से अधिक जोडों का विवाह हो इसके लिये सम्मेलन का प्रचार प्रसार किया जाएगा। साथ ही बैठक में सम्मेलन हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा कर निर्णय लिये गये। साथ ही बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। सम्मेलन हेतु सहयोग राशि एकत्र करने के लिये प्रत्येक मण्डल से दस-दस व्यक्तियों की टीम बनाई जाएगी। जिनका चयन मण्डल महंतों द्वारा किया जाएगा।

हैप्पी हेण्डवाश यूनिट से बच्चों में हाथ धुलाई की अच्छी आदत का विकास होगा-कलेक्टर जैन

नीमच, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन द्वारा सोमवार को आंगनवाडी केन्द्र कनावटी में आयोजित एक कार्यक्रम में अडानी विलमार प्रायवेट लिमिटेड द्वारा प्रदत्तव पचास हेप्पी हेण्डवाश यूनिट क्षेत्र की आंगनवाडी केन्द्रों को वितरित की गई। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री ताराचन्द मेहरा, सरपंच श्री सोनू कुमार सेन, अडानी विलमार के प्लाीट हेड श्री शिवकुमार शाक्या , सुपोषण प्रोजेक्ट प्रभारी सुश्री स्नेह भाटी एचआर प्रमुख यशवन्त यादव एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता व छात्र-छात्राएं उपस्थित थी। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने विलमार अडानी लिमिटेड द्वारा आंगनवाडी केन्द्रों के बच्चों के लिए प्रदान किये गये हेप्पी हेण्ड वाश टेप को काफी उपयोगी बताते हुए कहा, कि अडानी ग्रुप जिले की सभी आंगनवाडी केन्द्रों में यह हेण्डिवाश यूनिट उपलब्ध करवाये। उन्होंने कहा,कि आंगनवाडी केन्द्रा के छोटे बच्चों को हाथ धोने की प्रक्रिया विधि सिखाई जायेगी,तो यह उनकी आदत बन जायेगी। इस हेण्डवाश यूनिट से पानी की बचत भी होगी। कलेक्टर ने सभी आंगनवाडी कार्यर्त्ओं से कहा, कि वे अपने केन्द्रों में इस हेण्ड वाश यूनिट का पूरा उपयोग करें। हेप्पी टेप यूनिट लखनऊ के इन्जीनियर श्री अनुभव भटनागर ने हेप्पी टेप हेण्डवाश यूनिट को स्थापित करने उसका उपयोग करने, हेण्डवाश के तरीके, आदि के बारे में विस्ताार से बताया। कलेक्टर श्री जैन ने स्वंय हेप्पी हेण्डवाश यूनिट के माध्यम से हाथ धुलाई कर, हाथ धुलाई की विधि को समझा व बच्चों को भी समझाया। अंत में अडानी विलमार के प्लांट हेड श्री शाक्या ने सभी का आभार माना।

गर्भवती महिला का स्वास्थ्य परीक्षण कर जिला अस्पताल में किया भर्ती

नीमच, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बी.एम.ओ.डॉ.प्रवीण पांचाल ने बताया कि सोमवार को गांव लखमी उपस्वास्थ केंद्र धामनिया में गर्भवती महिला रेखा पत्नि रामरतन, जो की एनिमिक और मानसिक रूप से बीमार है। महिला को समझाईश देकर महिला का पूरा स्वास्थ्य परीक्षण कर, पूरे प्रशासनिक अमले तहसीलदार एवं पुलिस की मदद से जिला अस्पताल हेतु रेफर किया गया और परिजनों की पूरी काउंसलिंग की गई। डीएचओ डॉ.आर.के.खद्योत, बी.एम.ओ.डॉ.प्रवीण पांचाल, तहसीलदार श्री नवीन गर्ग एवं प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम व्दातरा गर्भवती महिला के घर जाकर, उसे समझाईश देकर, स्वास्थ्री परीक्षण किया और जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। साथ ही महिला के चार बच्चों को उचित देखभाल के लिए किलकारी में भर्ती करवाया गया है।

मालवीय समाज का 18 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 18 अप्रेल को भादवामाता में

पिपलियामंडी, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय मालवीय बलाई समाज की बैठक भादवामाता में सम्पन्न हुई। जिसमें वरिष्ठजन बाबरुलाल मालवीय, राधेश्याम सियार, अशोक खींची, आनंद पिछोलिया, निर्भयराम सोलंकी, कन्हैयालाल मालवीय, प्रहलाद परिहार, मांगीलाल पंचोली की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर भेरूलाल मालवीय, कंवरलाल मालवीय, बाबूलाल सांखला, तुलसीराम मालवीय, राकेश मालवीय,ड्मरलाल मालवीय, जेतराम मालवीय, नंदलाल सिसोदिया, प्रकाश बिलोदिया, विक्रम गहलोत,गोपाल मालवीय, प्रभुलाल सियार, अर्जुन मालवीय ने सम्मेलन को लेकर विचार रखे। सर्वानुमति से भादवामाता सामूहिक विवाह सम्मेलन का अध्यक्ष गोविंद बिलोदिया कुकडेश्व को नियुक्त किया गया। पांच जोडों के पंजीयन भी किया गया। बैठक में सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। समाज की अगली बैठक अगले रविवार को भादवामाता में आयोजित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर अनिल पिपलिया रावजी, हीरालाल दूदरसी, भेरूलाल धनोरियाकलां, कुशल सारेलिया, गोपाल बमोरा, रमेश हांसपुर, ईश्वरलाल बरडिया, बद्रीलाल मरजीवी, नंदलाल नीमच, कोमल जालीनेर, घीसालाल, फूलचंद नारायणगढ, मोहनलाल मनासा, बापूलाल, देवकिशन, राजेंद्र कनेरा, श्यामलाल जमुनिया कला, प्रकाश, कैलाश बनी, प्रभुलाल लसूड्या नलवा, आनंद आमलीभाट, भारत, बाबूलाल सेमली, रवि, घीसालाल, मुकेश आदि समाजजन उपस्थित हुए। संचालन जिलाध्यक्ष राधेश्याम सियार ने किया। आभार गोविंद बिलोदिया ने माना।

महिला हॉकी टीम ने रजत पदक प्राप्त किया

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा भोपाल में 10 एवं 11 फरवरी 2023 को आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय के महिला हॉकी टीम ने रजत पदक प्राप्त किया। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में पीजी कॉलेज मंदसौर की 9 महिला खिलाडियों प्रीति, आरती, अक्षा, यशोदा, सागू, कृतिका, हर्षाली, पायल एवं संजना ने सहभागिता की एवं टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। महाविद्यालय के खिलाडियों के इस शानदार प्रदर्शन पर पीजी कॉलेज मंदसौर के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी, प्राचार्य डॉक्टर एल एन शर्मा, जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवडा, हॉकी एसोसिएशन के सचिव अविनाश उपाध्याय एवं महाविद्यालय के अन्य सभी प्राध्यापकों ने खिलाडियों को उज्ज्वल भविष्य की बधाई और शुभकामनाएं दी।

मेष राशि – अतीत या भविष्य के बारे में सोचने के बजाय वर्तमान क्षणों का भरपूर आनंद लें। परिवार व दोस्तों संग प्रेम व खुशियां साझा करेंगे। सजग न रहने पर अहम व्यावसायिक मौका गंवा सकते हैं। दीर्घकालिक लक्ष्यों का त्याग करने पर मुक्ति की अनुभूति होगी व सफलता की ओर कदम बढाएंगे। खान-पान व भावुकता के अतिरेक से बचें। अभिरुचि के कार्यों मैं भागीदारी तरोताजा करेगी। भावनाओं में संतुलन बिठाएं।

वृषभ राशि – स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, पर व्यायाम व खान-पान पर ध्यान दें। किसी बीमारी से उबरेंगे। कठिन चुनौतियों व लोगों से निपटने के लिए आप तैयार हैं। अभिरुचि के कार्यों मैं हिस्सेदारी से तरोताजा महसूस करेंगे। व्यावहारिक मामले व पारिवारिक विवाद थोडे से प्रयास से हल होंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता रहेगी। वित्तीय सुरक्षा व प्रतिष्ठा बरकरार रखेंगे। एक यात्रा का योग है। परिवार व दोस्तों संग खुशियां बांटेंगे।

मिथुन राशि–विश्वसनीयता हासिल करेंगे। लोग आपसे जिम्मेदारियां साझा करेंगे। क्षमता से अधिक कार्य का भार लेने से बचें। स्वास्थ्य व निजी जीवन में खुशियां सहेजने पर ध्यान दें। गंभीरता व मानसिक तनाव से दूरी बनाते हुए खुशमिजाज रवैया अपनाएं। व्यवसाय व करियर में सीढी दर सीढी चढते हुए उंचाई प्राप्त करेंगे। अच्छी सेहत के लिए व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। ध्यान से मन की शांति प्राप्त करें।

कर्क राशि–यह नई शुरुआतों का समय है। नकारात्मक विचारों व अप्रिय घटित होने की कल्पना से स्वयं को व्यथित न करें। दूसरों से अनुमोदन प्राप्त करने की जुगत में आप तनाव मोल ले लेते हैं। दूसरों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने की कोशिश में आपने अपनी इच्छाओं को अनदेखा किया है। किसी भी चीज का लंबे समय तक दमन विस्फोटक परिस्थितियों का निर्माण करता है। भीतर की ऊर्जा को सही दिशा में प्रवृत्त करें।

सिंह राशि–आपके पास बेहतरीन विचार व योजनाएं हैं, जिन्हें व्यावसायिक जीवन में साझा करने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में तीन मोर्चों पर सफलता हासिल करेंगे। एक प्रभावशाली व्यक्ति आपको लक्ष्यों की ओर उन्मुख करेगा। कुछ बेहतरीन लोगों से मुलाकात होने पर नजरिये में परिवर्तन आएगा। धन, संपत्ति, व्यवसाय व कानूनी मामलों से निपटने का यह सही समय है। नेतृत्व के गुणों का

प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

कन्या राशि–धन व व्यापार से जुडे मामलों में समझदारी दिखाएंगे। व्यावसायिक जीवन में तार्किक व व्यावहारिक रवैया अपनाते हुए सफलता प्राप्त करेंगे। अभिभावकों का आशीर्वाद व ईश्वरीय शक्तियों का सहयोग मिलेगा। परिवार व कार्यस्थल में सम्मान मिलेगा। लोग आपसे सलाह की अपेक्षा रखेंगे। आपके आस-पास काफी कुछ घटित हो रहा है, जिसमें प्रभावी रूप से मौजूद रहेंगे। अंतर्मन पर भरोसा करते हुए पथ चुनें।

तुला राशि–इस राशि के लिए इस सप्ताह समय और धन का प्रबंधन करके चलना होगा। सप्ताह की शुरुआत में दौरान आपको स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याओं का सामना करना पड सकता है। कामकाज को समय पर निबटाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें और अपनी गुप्त बातें किसी को बताने से बचें। खास तौर पर प्रेम संबंधी मामले में बहुत सावधानी के साथ आगे बढें और इसका प्रदर्शन करने से बचें।

वृश्चिक राशि–परिवार व जीवनसाथी के संग सुखद वक्त बिताएंगे। कुछ खास रिश्ते जुडेंगे व चर्चित लोगों से मुलाकात होगी। व्यावसायिक जीवन में विचारों को खुलकर प्रकट करेंगे। एक खास जिम्मेदारी आपको प्रतिष्ठा दिलाएगी। नए अवसर दस्तक देंगे। कोई खुशखबरी जीवन की दिशा बदल देगी।प्रेम संबंधो मे विश्वास प्रबल होगा,खानपान व खरीदारी के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य समस्या को अनदेखा न करें।

धनु राशि -इस राशि के जातक इस सप्ताह अपनी योजनाओं को गुप्त रखें। सप्ताह के शुरुआत में थकान बनी रहेगी। मौसमी बीमारियों से अपना बचाव करें। यदि आप नौकरी में बदलाव की सोच रहे हैं तो बहुत सोच-समझकर कदम उठाएं। की तलाश वाले लोगों को भी थोडा इंतजार करना पडेगा। घर के किसी वरिष्ठसदस्य की सेहत को लेकर मन चिंतित रहेगा।। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी

मकर राशि–इस राशि वाले जातक अपने जीवन शैली को सुधारने का प्रयास करें। अनियमित दिनचर्या से आपकी सेहत पर बुरा असर पड सकता है। मौसमी बीमारी को लेकर बहुत सचेत रहें। इस सप्ताह आपको अति भावुकता से बचना होगा। विद्यार्थी वर्ग अपना मन पढाई से ना हटने दें। सप्ताह की शुरुआत में कारोबार को लेकर कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ राशि–इस राशि के जातकों को सप्ताह की शुरुआत में किसी नई योजना में काम करने को मिलेगा, धन के लेन-देन में सावधानी बरतें। सप्ताह के मध्य में किसी महिला मित्र के साथ किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। इस दौरान सेहत का एवम् खान-पान का विशेष ख्याल रखें। प्रेम संबंधों में संभलकर कदम आगे बढाएं, व्यापारियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। छात्रों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा।

मीन राशि–इस राशि के जातकों के लिए इस सप्ताह काम-धंधे में अपेक्षाकृत लाभ नहीं होगा। सप्ताह की शुरुआत में कारोबार में मंदी रह सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार की लापरवाही से बचें, पारिवारिक दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मध्यम फलदाई साबित होगा। सप्ताह के मध्य में मन थोडा परेशान रहेगा,इस दौरान भाई-बहनों से भी कम सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में कोई छोटी यात्रा संभव है।

ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	11	2155	2296
उडद	29	5152	8440
सोयाबीन	3771	4000	4680
गैहु	2151	2310	3170
चना	67	4700	6000
मसुर	263	5001	5861
धनिया	490	4101	6601
लहसुन	14500	10000	29500
मैथी	621	4780	7121
अलसी	1061	4600	5160
सरसो	3000	4140	5100
तारामीरा	33	4340	4622
इसबगोल	6	11101	15401
प्याज	949	421	1401
कलोंजी	9	13701	16530
डॉलर	1	10425	10425
तिल्ली	1	14151	14151
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	680	5801	7970

लापरवाही– नगर पालिका कर्मचारियों की लापरवाही के चलते प्रतिमाह जलकल जमा करवाने की आखरी तारीख के करीब आते ही जमा खिड़की पर भीड़ लगने लगती है। इस दौरान भी नपा द्वारा सिर्फ एक खिड़की ही खुली रखी जाती है। जिससे भीड़ लगने के कारण कई लोग राशि जमा कराए बगैर ही चले जाते है। वही पूर्व में जलकल भरने के लिए ऑनलाइन शुरू हुआ सिस्टम अपडेट नही होने की वजह से आज भी आमजन लाईन में लग कर परेशान हो रहे है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने प्रस्तुत किया वर्ष 2024-25 का लेखानुदान

लेखानुदान की राशि मुख्य बजट में होगी शामिल

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा ने आज वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखानुदान विधानसभा में प्रस्तुत किया। संविधान के अनुच्छेद 206 (1) के अंतर्गत निरंतर व्यय के मदों के लिये नवीन सेवायें अथवा व्यय के नये मद/शीर्ष सम्मिलित नहीं हैं। लेखानुदान का उद्देश्य अंतिम आपूर्ति की स्वीकृति होने तक सरकार के क्रियान्वयन को जारी रखना है। करारोपण संबंधी नये प्रस्ताव तथा व्यय के नवीन मद सम्मिलित नहीं हैं। द्वितीय अनुपूरक अनुमान में सम्मिलित नवीन योजनाओं के लिये प्रावधान है। लेखानुदान की अवधि समाप्त होने के पूर्व अनुदान की पुनरीक्षित मांगें सदन के समक्ष प्रस्तुत की जायेंगी। लेखानुदान द्वारा प्राप्त राशि मुख्य बजट में समाहित की जायेंगी। लेखानुदान 4 माह (एक अप्रैल से 31 जुलाई, 2024) के लिये है। वित्तीय वर्ष हेतु बजट में सम्मिलित राशि 3,48,986.57 करोड है। लेखानुदान के लिये राशि रुपये 1,45,229.55 करोड है। लेखानुदान राशि में मतदेय राशि रुपये 1,19,453.05 करोड तथा भारित राशि रुपये 25,776.51 करोड है।

बजट अनुमान 2024-25 का वार्षिक वित्तीय विवरण– वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में कुल राजस्व प्राप्तियाँ राशि रुपये 2,52,268.03 करोड है। इसमें राज्य कर से राजस्व प्राप्तियाँ रुपये 96,553.30 करोड है। गैर कर राजस्व प्राप्तियाँ रुपये 18,077.33 करोड है। बजट अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,51,825.13 करोड है। वर्ष 2023-24 में पुनरीक्षित अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,31,112.34 करोड है। वर्ष 2024-25 में बजट अनुमान में राजस्व आधिक्य रुपये 442.90 करोड है। कुल पूँजीगत प्राप्तियाँ का बजट अनुमान रुपये 59,718.64 करोड है एवं वर्ष 2024-25 में कुल पूँजीगत परिव्यय का बजट अनुमान 59,342.48 करोड है।

आयुष्मान कार्ड की ई केवाईसी कार्य पूर्ण नही करने पर बीएमओ और आशाओं पर होगी कार्यवाही–कलेक्टर

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सपन्न

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड का ई केवाईसी कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें। आयुष्मान कार्ड की ई केवाईसी कार्य नहीं करने पर बीएमओ एवं आशाओं पर कार्यवाही की जाएगी। इस कार्य के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग समन्वय के साथ काम करें। सभी विभागों के पास जितने भी पेंशन के प्रकरण लंबित है, उनका समय पर निराकरण करें। सभी एसडीएम एवं सीईओ इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि जिले में कहीं पर भी खुले बोरवेल एवं कुएं नहीं रहने चाहिए। सभी सीईओ खुले बोरवेल एवं कुएं की एक सूची तैयार करें।

खुले बोरवेल एवं कुएं प्राप्त होने पर संबंधित व्यक्ति पर धारा 188 एवं 144 के तहत कार्यवाही भी करें। इस संबंध में की गई कार्यवाही से सात दिवस के अंदर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान सहित सभी जिलाधिकारी, राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

राजस्व महाअभियान में डेढ़ लाख राजस्व प्रकरणों का निराकरण

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता लाने और आंतरिक प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने के प्रयासों के चलते मध्यप्रदेश में राजस्व प्रकरणों का समाधान करने राजस्व महाअभियान शुरू किया गया है। बहुत कम समय में ही डेढ लाख राजस्व प्रकरणों का निराकरण हो गया है। राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने, नये राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज करने, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सेच्युरेशन, समग्र का आधार से ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग सहित आमजन की राजस्व से संबंधित समस्याओं के निराकरण में 15 जनवरी, 2024 से शुरू राजस्व महाअभियान की शुरूआत से ही अच्छे परिणाम आने लगे हैं। यह महाअभियान 29 फरवरी तक चलेगा। इसमें समय-सीमा पार कर चुके राजस्व विभाग के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरुस्ती के 2 लाख 41 हजार 784 प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। अब तक लगभग डेढ लाख राजस्व प्रकरणों का समाधान हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पर शुरू किये गये महाअभियान से लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी आई है।

कैसे होता है त्वरित निराकरण– राजस्व रिकॉर्ड के वाचन के लिये पटवारी को समय-सारणी दी गई। गाँव में खसरा बी-1 का वाचन किया गया। नागरिकों को समग्र ई-केवाईसी और समग्र से खसरे की लिंकिंग के लिये समग्र वेब पोर्टल एमपी ऑनलाइन/सीएसई के कियोस्क के माध्यम से समग्र में आधार की ई-केवाईसी कराने की सुविधा नागरिकों को निःशुल्क दी जा रही है। आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराने के लिये नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रख लोक सेवा केन्द्रों के अतिरिक्त एमपी ऑनलाइन और सीएसई के कियोस्क के माध्यम से भी आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराये जा रहे हैं। समय-सीमा पार कर चुके लंबित प्रकरणों को न्यायालय में नियमित सुनवाई कर नामांतरण, बंटवारा, भू-अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। रिकॉर्ड में दर्ज ऐसे भू-स्वामी, जिनकी मृत्यु काफी समय पहले हो चुकी है परंतु उनके उत्तराधिकारियों के पक्ष में नामांतरण का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है उनका महाअभियान में उत्तराधिकार नामांतरण के प्रकरणों को दर्ज कर निराकरण किया जा रहा है।

ग्रामीणों और किसानों में उत्साह– नामांतरण के लंबित एक लाख 54 हजार 116 प्रकरणों में से एक लाख 3 हजार 849 प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है। निराकरण के लिये शेष रहे 50 हजार 267 प्रकरण अभियान की समाप्ति तक निराकृत हो जायेंगे। बंटवारा के 30 हजार 969 प्रकरणों में से 18 हजार 266 प्रकरणों का निराकरण हो चुका है। सीमांकन के लंबित 31 हजार 953 प्रकरणों में से 17 हजार 243 का निराकरण किया जा चुका है। बंटवारा और सीमांकन के लंबित शेष प्रकरणों को फरवरी अंत तक निराकृत करने लक्ष्य तय किया गया है। अभिलेख दुरुस्ती के लंबित 24 हजार 746 प्रकरणों में से 6 हजार 289 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। राजस्व महाअभियान की रोजाना समीक्षा की जा रही है। राजस्व महाअभियान से ग्रामीणों और किसानों में उत्साह है। उनके लंबित प्रकरणों का अभियान में निराकरण हुआ है। राजस्व महाअभियान के दौरान लगभग एक लाख प्रकरण दर्ज किये गये हैं। दर्ज किये गये प्रकरणों का प्रक्रिया का पालन करते हुए त्वरित निराकरण किया जा रहा है। राजस्व महाअभियान की सतत निगरानी के लिये राजस्व विभाग द्वारा डेशबोर्ड का संचालन किया जा रहा है। इससे राज्य स्तर, जिला स्तर और तहसील स्तर तक महाअभियान के दौरान हो रहे कार्यों की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। पिछले 2 माह में मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में प्राप्त 17 लाख 8 हजार 532 आवेदन में से 14 लाख 54 हजार 640 अधिकार-पत्र के लिये पात्र पाये गये हैं। मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना में कुल प्राप्त 2 लाख 35 हजार 713 आवेदन में से एक लाख 51 हजार 643 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है और शेष के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

तलवार सहित पकड़ा

पिपलियामंडी, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने तलवार के साथ आरोपी को पकडा। नाहरगढ पुलिस ने लोहे की तलवार से आमजन को भयभीत कर रहे लखु पिपलिया (सीतामउ) निवासी शंकरसिंह पिता उंकारसिंह राजपूत को पकडा। आरोपी के खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया।

मध्य प्रदेश में अभी दो दिन कई इलाकों में छाए रहेंगे बादल, कल के बाद साफ होगा आसमान

भोपाल, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दो मौसम प्रणालियों के प्रभाव से मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में मौसम का मिजाज लगातार दूसरे दिन बिगडा रहा। जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, शहडोल आदि जिलों के कुछ हिस्सों में रविवार को जहां बूंदाबांदी के साथ बारिश हुई थी, वहीं सोमवार को भी इन इलाकों में बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई, लेकिन बादलों के चलते रात के तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं हुई। इस बीच उत्तरी सहित मध्य हिस्से में पहाडों से आ रही उत्तरी हवाओं के असर से फरवरी के दूसरे सप्ताह में भी जनवरी जैसी सर्दी बनी हुई है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने का अनुमान जताते हुए कहा है कि 14 फरवरी के बाद पूर्वी हिस्सों से भी बादल छंट जाएंगे और वहां भी तापमान गिरने का क्रम शुरू होगा। मौसम विभाग के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में दक्षिणी गुजरात में हवा के उम्री भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इसके अतिरिक्त पश्चिमी विदर्भ से लेकर कर्नाटक तक एक द्रोणिका भी बनी हुई है। इन दो मौसम प्रणालियों के असर से आ रही नमी के कारण पूर्वी मध्य प्रदेश में रुक-रुककर बारिश हो रही है। 14 फरवरी से मौसम के धीरे-धीरे साफ होने के आसार हैं। बादल छंटने की वजह से पूर्वी हिस्से में फिर रात के तापमान में गिरावट होने लगेगी। भोपाल में बादल बने रहने के कारण दिन के तापमान में बढोतरी होने की संभावना कम है। हवाओं का रुख उत्तरी बना रहने के कारण रात के तापमान में भी बढोतरी होने की संभावना भी कम है।

शाकद्विपीय (मग) ब्राह्मण समाज के चुनाव सम्पन्न

जिलाध्यक्ष पुष्कर्राज शर्मा, जिला सचिव प्रहलाद पिंटू शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष योगेश शर्मा मनोनीत

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शाकद्वीपीय (मग) ब्राह्मण समाज जिला मन्दसौर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई जिसमें समाज के कई बंधु उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में भगवान भास्कर (सूर्य देव) के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन कर गणपति वंदना की गई पश्चात सर्वानुमति से समाज की जिला कार्यकारिणी का गठन किया जिसमे सर्वानुमति से संरक्षक श्री चंद्रकांत शर्मा, अध्यक्ष पुष्कर्राज शर्मा, उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा शामगढ तथा कमल शर्मा जावरा, सचिव प्रह्लाद (पिंटू) शर्मा, सह सचिव नवीन शर्मा, कोषाध्यक्ष योगेश शर्मा, मीडिया प्रभारी जितेंद्र शर्मा, मनोनित किए तथा कार्यकारिणी सदस्य संतोष शर्मा (कालू भैया), किशोर शर्मा पावटी, अजय शर्मा, राजेश शर्मा मनोनित किए गए।

नवमनोनित अध्यक्ष पुष्कर्राज शर्मा ने उपस्थित समाज बंधुओ को संबोधित करते हुए कहा की समाज ने जो मेरे उम्र पर विश्वास किया है मैं उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा और समाज हित के लिए हरसंभव वो सभी प्रयास करूंगा जो समाज मुझसे और मेरी टीम से उम्मीद रखता है सभी समाज बंधु की सहमती से आज हम एक अहम फैसला ले रहे है की शादी से पूर्व जो प्री वेडिंग शूटिंग की जाती है उस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है शादी से पूर्व इस प्रकार की शूटिंग कराना हमारी संस्कृति नहीं है और हमारे संस्कार भी नहीं है उम्मीद है की सभी समाज बंधु इस निर्णय में सहयोग प्रदान करेंगे। आगामी दिनों में सभी समाज बंधुओ को साथ लेकर उनसे समय समय पर विचार विमर्श कर समाज उत्थान के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम को संरक्षक चंद्रकांत शर्मा ने भी संबोधित करते हुए कहा की आज हमारे शाकद्वीपीय (मग) ब्राह्मण समाज का गठन हुआ है जो बडी खुशी की बात है समाज की युवा पीढी को संस्कृति और संस्कार से जोडना हमारा उद्देश्य है आगामी दिनों में समाज की महिलाओं का भी गठन किया जाएगा जिससे समाज उत्थान में मातृ शक्ति का भी सहयोग प्राप्त हो सके। इस अवसर पर समाज के संजय शर्मा, सोनू शर्मा, दिलीप शर्मा, महेश शर्मा, विजय शर्मा पावटी, मनोज शर्मा शामगढ, राकेश शर्मा गरोठ हर्षिल शर्मा, श्रीमती नीलम शर्मा सहित कई समाज बंधु उपस्थित थे उक्त जानकारी समाज प्रवक्ता जितेंद्र शर्मा ने दी।

श्री कृष्ण गौशाला नई कार्यकारणी का शुभारंभ

श्री कृष्ण गौशाला भालोट की नई कार्यकारणी समिति ने सुंदरकाण्ड कराकर किया अपने कार्यों का आरम्भ

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। समिति ने अपनी गौशाला मे सुन्दरकाण्ड पाठ करवाया सुन्दरकाण्ड जय गतिमान सुन्दरकाण्ड मण्डल ने किया मण्डल के सस्थापक राकेश विश्वकर्मा ने गणेश वंदना कर रामचरित मानस की स्थापना कर रामचालीसा करके सुन्दरकाण्ड का पाठ किया। पाठ मे सहियोगी पुष्कर विश्वकर्मा, भगवतीलाल विश्वकर्मा, कन्हैयालाल साहू, गौरव साहू ने किया। गोशाला समिति अध्यक्ष राजू ढोला, उपाध्यक्ष गोपाल गुगावन कोषाध्यक्ष हर्ष कोठारी, कोषाध्यक्ष अंबालाल धनगर, सचिन शरद कुमावत, पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल साहू, विश्व हिंदू परिषद जिला कार्यकारिणी से जिला सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर, जिला गोरक्षा प्रमुख अमरदीप कुमावत, प्रखंड अखाडा प्रमुख मनीष भाटी, जिला सुरक्षा प्रमुख शंकर जी शर्मा, नितेश मकराना व साथ गाँव के गणमान्य नागरिक सरपंच नानालाल कुमावत, उप सरपंच गणपत कुमावत गोपाल गोयल मांगीलाल हागर, लक्ष्मी नारायण जी राठौड, भारत सिंह जी भाटी, कैलाश चंद्र व्यास मन्ना पटेल, पन्ना पटेल, अरुण साहू, गोवर्धन सुथार रमेश सुथार, दशरथ सिंह भाटी गांव वासी उपस्थित रहे थे।

सेवानिवृत व वरिष्ठ नागरिक महासंघ की बैठक सम्पन्न

पिपलियामंडी, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त नागरिक महासंघ पिपलिया की मासिक बैठक गांधी चौराहे स्थित नगर वाचनालय कक्ष पर महासंघ के भगवतीप्रसाद गहलोत की अध्यक्षता में हुई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिसिंह यादव का शाल ओढाकर पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। नवीन सदस्यों को संघ में सदस्य बनाने व पुराने सदस्यों से वार्षिक सदस्यता शुल्क लेने हेतु रसीद कट्टे वितरित किए। संघ के अध्यक्ष पंकज शर्मा तरुण ने गजल कोई सागर दिल को बहलाता नहीं प्रस्तुत की। राधेश्याम सैनी ने स्वरचित गीत कोई साथ न देखा दिल का पेश किया। इस अवसर पर अमृतलाल जैन, हुकमीचंद कनेरिया, राजेंद्र कैथवास, सुरेश जैन, बगादीराम गुप्ता, रामसिंह राठौर उपस्थित रहे।

रासेयो का सात दिवसीय शिविर आज से गुडभेली बड़ी में

पिपलियामंडी, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय का 7 दिवसीय शिविर ग्राम गुडभेली बड्डी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं अनेक रचनात्मक कार्य संपादित करेंगे। कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर सचिन कारपेंटर ने बताया शिविर का शुभारंभ 13 फरवरी को दोपहर 3 बजे ग्राम सरपंच भेरूलाल मालवीय करेंगे। शिविर में मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, पशु संवर्धन, स्वरोजगार, यातायात, पर्यटन तथा व्यक्तित्व विकास की गतिविधियां आयोजित होगी। प्राचार्य आरके श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर में छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए शासकीय विभागों के अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवकों को आमंत्रित किया है। प्रात: श्रममूलक संस्थाओं तथा समाज सेवायों को आमंत्रित किया जा गया है। प्रात: श्रममूलक, अपरान्ह बौद्धिक तथा शाम को सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होगी।

अफीम तौल की तैयारी– अफीम की फसल अपने पूरे यौवन पर है। इधर मंदसौर अफीम तौल केंद्र पर तैयारिया शुरु कर दी गई है। किसानों की सुविधा के लिए परिसर में साफ सफाई के साथ ही सांकेतिक बोर्ड भी तैयारी किए जा रहे है।

प्राणिकी विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर प्राणिकी विभाग द्वारा बीएससी के विद्यार्थियों को आरोग्य पैथोलॉजी लैब मंदसौर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यह भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। प्राणिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप सोनगरा ने विद्यार्थियों को इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए प्रोत्साहित किया जिसमें महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों ने बढ चढकर हिस्सा लिया आरोग्यम पैथोलॉजी लैब की पैथोलॉजिस्ट डॉ. श्रद्धा पगारिया एवं लैब के विषय विशेषज्ञों द्वारा रक्त परीक्षण से संबंधित लगभग 20 से अधिक प्रकार की विभिन्न जांचों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी व परीक्षण कैसे किया जाए यह विद्यार्थियों को बताया गया। उपरोक्त शैक्षणिक भ्रमण में प्रो. गौतम मेघवाल, प्रो.सिद्धार्थ बरोडा, डॉ. शिखा ओझा, प्रो. रितु शर्मा, प्रो. प्रकाश दास, प्रो.हिमांशी रायगौड, प्रो. चीना मिंडा, प्रो. कुंदन माली, श्रीमती मनीषा कोठारी, श्री.अशोक नागौरे एवं विभाग के सभी प्राध्यापकों ने सहयोग करा।

पीआईसी बैठक में 682 प्रकरणों को मिली मंजूरी

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में पीआईसी प्रेसीडेट इन कोसिंल की बैठक कल मेघदूत वाचनालय भवन पर सम्पन्न हुई। इस बैठक में पीआईसी के समुख 682 प्रकरण रखे गये व्यापक विचार विमर्श के उपरांत इन सभी 682 प्रकरणो को मंजुरी प्रदान की गयी। इन 682 प्रकरणो में 663 प्रकरण भूमि एवं मकान नामातंरण में संबंधित थे। शेष प्रकरण विकास कार्यो एवं विषय से संबंधित थे। नपा की पीआईसी बैठक नपा सीएमओ सुधीर कुमार सिंह, नपा सभापतिगण सत्यनारायण भांभी निलेश जैन श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी रमेश ग्वाला, श्रीमती शांतिदेवी दिनेश फरक्या, श्रीमती दिपमाला रामेश्वर मकवाना, श्रीमती कौशल्या बंधवार भी उपस्थित थे। बैठक में नपा की सभी शाखाओ कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

भाजपा महिला मोर्चा जिला शक्ति वंदन महिला स्व सहायता समूह संपर्क अभियान विधानसभा सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया, प्रदेश संयोजक लता वानखेडे के निर्देशानुसार दिनांक 11 फरवरी 2024 नगरपालिका परिषद जिला मंदसौर में भाजपा महिला मोर्चा का शक्ति वंदन एवं स्वसहायता समूह संपर्क कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष व शुजालपुर (जिला शाजापुर) नगरपालिका अध्यक्ष प्रमुख वक्ता बबीता परमार, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, नगरपालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता का स्वागत भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला गुप्ता के द्वारा किया गया। प्रमुख वक्ता भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बबिता परमार, भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ.सुषमा आर्य, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिला प्रभारी पार्षद जिला उपाध्यक्ष सुनीता गुजरिया नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता जी चावला पिपलिया मंडी मंडल अध्यक्ष इंदिरा जी देवरिया जनपद सदस्य सरिता जी जैन मंचासिन थे।

इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष व शुजालपुर (जिला शाजापुर) नगरपालिका अध्यक्ष बबीता परमार ने कहा की मुझे गर्व है कि मैं आपके सामने खडी होकर भारतीय जनता पार्टी भाजपा के महिला स्व सहायता समूह की शक्ति को वंदन करने का सौभाग्य हो रहा है। हम सभी जानते हैं कि महिलाएं समाज की स्तम्भ होती हैं और उनकी सकारात्मक भूमिका न केवल परिवार में बल्कि समूचे समाज में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा के महिला स्व सहायता समूह ने एक नई दिशा स्थापित की है, जिसमें महिलाओं को सशक्तिकरण और समर्थन का संवर्ग मिला है। यह समूह महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर सुधार करने में मदद कर रहा है। महिला स्व सहायता समूह ने समाज में जागरूकता बढाने, शिक्षा को प्रोत्साहित करने, स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने और महिलाओं को नौकरी और उद्यमिता के क्षेत्र में समर्थन प्रदान करने के लिए कई पहलुओं पर काम किया है। भाजपा का उद्देश्य है महिलाओं को स्वतंत्र, सकारात्मक और समृद्धि प्राप्त करने में मदद करना, जिससे समृद्धि की ओर बढने में समर्थ हों। इस समय में हमें चुनौतियों का सामना करना है और यह सुनिश्चित करना है कि हमारी महिलाएं सशक्त, सुरक्षित और स्वतंत्र हैं। भाजपा के महिला स्व सहायता समूह का संकल्प है कि हम महिलाओं को समर्थन प्रदान करेंगे और उन्हें समृद्धि की उँचाइयों तक पहुंचाएंगे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा की भाजपा के महिला स्व सहायता समूह ने महिलाओं को सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कई क्षेत्रों में पहल की है जैसे कि शिक्षा समृद्धि के लिए महिलाओं को शिक्षित बनाना, महिलाओं के स्वास्थ्य क्षेत्र में, रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में, समाज में सामाजिक समानता की दिशा में आदि क्षेत्रों में भाजपा के महिला स्व सहायता समूह का संघर्ष और समर्थन एक प्रेरणा स्त्रोत है जो हमें महिलाओं के सकारात्मक योगदान को महसूस कराता है।

आशा-उषा-आशा सहयोगिनी 16 को रहेगी राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर

मंदसौर, 12 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आशा-उषा-आशा सहयोगी एकता यूनियन म.प्र. (सीटू) के राष्ट्रव्यापी आव्हान के तहत प्रदेश सहित मंदसौर जिले की समस्त आशा-उषा कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षकों सहित योजना कर्मी 16 फरवरी को हड़ताल पर रहेंगे। सोमवार को इस संबंध में जिला कलेक्टर कार्यालय एवं सीएमएचओ मंदसौर को संगठन जिला अध्यक्ष माधुरी सौलंकी ने सूचना पत्र दिया गया।

जिला अध्यक्ष माधुरी सौलंकी ने बताया कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, आशा वर्कर्स एण्ड फैसिलिटेटर्स फैडरेशन आफ इंडिया (ए,डब्ल्यूएफएफई) सहित योजना कर्मियों के राष्ट्रीय फैडरेशनों और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 16 फरवरी 2024 को विभिन्न सेक्टरों एवं औद्योगिक संस्थानों में हडताल और ग्रामीण बंद का आह्वान किया गया है। केंद्रीय ट्रेड युनियनों एवं स्कीम वर्कर्स की अखिल भारतीय हडताल के आव्हान पर आशा-उषा-आशा सहयोगी एकता यूनियन मध्य प्रदेश (सीटू) ने भी इस हडताल में शामिल होने का निर्णय लिया है। संगठन जिलाध्यक्ष माधुरी सौलंकी, सचिव दीपिका हलकारा, संगीता चौहान, कोमल जैन, हुरबानो सैफी, उषा पोरवाल, भारती ममता, मुन्ना बैरागी, कन्नयन चौहान, ममता कहार, मंगला सेन, उषा दमामी, किरण पाटीदार, किरण बैरागी, कविता हलकारा, सज्जन कुंवर आदि ने सभी आशा, उषा, आशा सहयोगिनी व संगठन से जुड़े सभी कर्मियों से 16 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने की अपील की है।

स्प्रे-पेन्टर चाहिए
* संपर्क *
7089832581

In The Court Of Civil Judge Class-II, District Court, Mandsaur
Presiding Officer- **सुश्री निकिता वार्ष्णेय**
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000438/2023)
जानीबाई चौहान..... वादी
Vs
सर्वसाधारण..... प्रतिवादी
Process Id- /2024
पेशी दिनांक- 19.03.2024

प्रेषिती–
(1) सर्वसाधारण पता– सर्वसाधारण

यह कि प्रार्थी जानीबाई चौहान ने आपके विरुद्ध नियमित व्यवहार वाद अ के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 08 February 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(सुश्री निकिता वार्ष्णेय)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, जिला–मंदसौर (म.प्र.)

न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी–नकल संलग्न

कृपया ध्यान दे– 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in